भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2005

दिनांक 30.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

वलसाड में जेजेएम और जेजेएम 2.0 का कार्यान्वयन

†2005. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेलः

क्या **जल शक्ति** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चालू नल जल कनेक्शन वाले घरों सहित वलसाड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में जल जीवन मिशन (जेजेएम) और जल जीवन मिशन 2.0 के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) जल आपूर्ति योजनाओं, बल्क पाइपलाइनों और उनके पूर्ण किए गए अथवा चल रहे अवसंरचना कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) जल संचय जनभागीदारी अभियान और जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' के अंतर्गत गुजरात में कितनी प्रगति हुई है और समुदाय और सीएसआर की भागीदारी से बोरवेल पुनर्भरण जैसी जल संरक्षण संरचनाओं की संख्या कितनी है; और

(घ) क्या गुजरात में भू-जल पुनर्भरण और जल निकायों के पुनरुद्धार के संबंध में कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति

(श्री वी. सोमण्णा)

(क) और (ख) पेयजल 'राज्य' का विषय है और इसलिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति स्कीमों की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों की मदद करती है।

अगस्त 2019 से भारत सरकार, गुजरात सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी से, देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार हेतु नल जल आपूर्ति का प्रावधान करने के लिए जेजेएम-हर घर जल को कार्यान्वित कर रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बढ़े हुए परिव्यय के साथ दिसंबर, 2028 तक जेजेएम के विस्तार और जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पुनर्गठित कार्यान्वयन ढांचे को मंजूरी दे दी है।

गुजरात राज्य द्वारा सूचित किए गए अनुसार, अब तक, वलसाड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीण परिवारों सहित सभी ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किया गया है। चूंकि जेजेएम के परिकल्पित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों पर कई परियोजनाएं एक साथ कार्यान्वित की जाती हैं, इसलिए ग्रामीण जल आपूर्ति

परियोजनाओं के लिए अलग-अलग परियोजनाओं/योजनाओं का परियोजना-वार विवरण राज्य सरकार के स्तर पर रखा जाता है।

(ग) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा सूचित किए गए अनुसार, जल राज्य का विषय है और जल संरक्षण उपायों की आयोजना, वित्तपोषण तथा कार्यान्वयन के लिए राज्य प्राथमिक रूप से जिम्मेदार हैं, जबकि केन्द्र सरकार इन प्रयासों में सहायता करती है।

जल संचय जनभागीदारी (जेएसजेबी) पहल 6 सितंबर 2024 को सामुदायिक योगदान, सीएसआर और केंद्र, राज्य तथा स्थानीय योजनाओं के सामंजस्य के माध्यम से समर्थित बोरवेल, रिचार्ज शाफ्ट और गड्ढों जैसी पुनर्भरण संरचनाओं के जरिए समुदाय के नेतृत्व में, कम लागत वाले वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। जेएसजेबी 2.0 को 1 जून 2025 से 31 मई 2026 तक कार्यान्वित किया गया था, और जेएसजेबी को जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) अभियान के साथ एकीकृत करके जेएसजेबी: कैच द रेन (सीटीआर)-2026 को दिनांक 1 जून 2026 को शुरू किया गया था। जेएसजेबी 1.0 और 2.0 के तहत गुजरात में जिले-वार प्रगति का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

जल शक्ति अभियान (जेएसए) 2019 में शुरू किया गया और "कैच द रेन: व्हेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स" संदेश के साथ 2021 में जेएसए: कैच द रेन के रूप में देश भर में विस्तारित हुआ तथा वार्षिक विषयगत फोकस के साथ एक राष्ट्रीय जल संरक्षण अभियान के रूप में विकसित हुआ है। 2023 से, अभियान ने स्रोत स्थिरता, भूजल प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी के लिए प्राथमिकता वाले जिलों को लक्षित किया है। "जल संचय जनभागीदारी: जन जागरूकता की ओर" विषय से संबंधित जेएसए: सीटीआर 2025 सीजीडब्ल्यूबी द्वारा अभिचिह्नित 148 जिलों में जमीनी स्तर पर भागीदारी, सामंजस्य और अभिनव वित्तपोषण पर केंद्रित है। जेएसए: सीटीआर 2025 के तहत गुजरात में जिले-वार प्रगति का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा सूचित किए गए अनुसार, गुजरात सहित देश के गतिशील भूजल संसाधनों का मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष केन्द्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। वार्षिक भूजल संसाधन मूल्यांकन वार्षिक भूजल पुनर्भरण, वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधनों, वार्षिक भूजल निष्कर्षण तथा भूजल निष्कर्षण के चरण के अद्यतन अनुमान प्रदान करता है तथा भूजल निष्कर्षण के चरण के आधार पर मूल्यांकन इकाइयों को सुरक्षित, अर्ध-गंभीर, गंभीर और अति-दोहन के रूप में वर्गीकृत करता है। गुजरात में 2017 और 2025 के लिए भूजल संसाधन मूल्यांकन की तुलना से संकेत मिलता है कि इस अवधि के दौरान, कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 22.37 बीसीएम से बढ़कर 27.58 बीसीएम हो गया, जबकि वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 21.25 बीसीएम से बढ़कर 25.61 बीसीएम हो गया। तथापि वार्षिक भूजल निष्कर्षण 13.58 बीसीएम से बढ़कर 14.33 बीसीएम पहुँच गया, भूजल निष्कर्षण का चरण मुख्य रूप से भूजल पुनर्भरण और निष्कर्षण योग्य संसाधनों में वृद्धि के कारण 63.89% से घटकर 55.95% हो गया है।

******

दिनांक 30.07.2026 को उत्तर दिए जाने हेतु नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2005 के उत्तर के भाग (ग) में उल्लिखित अनुबंध

गुजरात में जेएसजेबी 1.0 और 2.0 के तहत जिला-वार प्रगति

क्र.सं.	**जिला**	**जेएसजेबी 1.0 के तहत पूर्ण कार्य**	**जेएसजेबी 2.0 के तहत पूर्ण कार्य**
1.	अहमदाबाद	1563	159
2.	अमरेली	1772	1892
3.	आनंद	3509	796
4.	अरावली	822	5124
5.	बनासकांठा	4110	24100
6.	भरूच	1727	3947
7.	भावनगर	539	1069
8.	बोटाड	912	1088
9.	छोटा उदयपुर	1487	1133
10.	डांग	258	707
11.	देवभूमि द्वारका	447	205
12.	दाहोद	2268	5222
13.	गांधीनगर	1915	1949
14.	गिर सोमनाथ	623	5480
15.	जामनगर	130	359
16.	जूनागढ़	2026	6271
17.	कच्छ	594	218
18.	खेड़ा	6211	1207
19.	मेहसाणा	399	432
20.	महिसागर	1632	255
21.	मोरबी	194	622
22.	नर्मदा	710	443
23.	नवसारी	9593	18699
24.	पंचमहल	82	1375
25.	पाटन	4322	99
26.	पोरबंदर	176	124
27.	राजकोट	10836	2956
28.	साबरकांठा	138	257
29.	सूरत	56756	60147
30.	सुरेंद्रनगर	242	1818
31.	तापी	3172	1179
32.	वडोदरा	1293	2234
33.	वलसाड	617	6517

दिनांक 30.07.2026 को उत्तर दिए जाने हेतु नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2005 के उत्तर के भाग (ग) में उल्लिखित अनुबंध

गुजरात में जल शक्ति अभियान:कैच द रेन 2025 के तहत जिला-वार प्रगति

क्रम संख्या	**जिलों का नाम**	**पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण***	**पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं***	**वाटरशेड विकास***	**गहन वनीकरण***
1.	अहमदाबाद	8	109	224	79
2.	अमरेली	53	169	315	84
3.	आनंद	268	233	120	66
4.	अरावली	372	480	91	48
5.	बनासकांठा	235	544	1122	164
6.	भरूच	19	27	55	179
7.	भावनगर	108	94	107	69
8.	बोटाड	43	205	190	63
9.	छोटा उदयपुर	126	208	418	94
10.	डांग	71	295	1407	547
11.	देवभूमि द्वारका	61	84	543	106
12.	दाहोद	65	280	851	940
13.	गांधीनगर	1	146	173	534994
14.	गिर सोमनाथ	20	18	393	94
15.	जामनगर	67	38	85	61
16.	जूनागढ़	46	62	17	38
17.	कच्छ	53	234	117	143
18.	खेड़ा	219	260	541	235
19.	मेहसाणा	49	103	289	166281
20.	महिसागर	110	262	111	3230182
21.	मोरबी	10	13	41	43
22.	नर्मदा	397	1131	1435	367
23.	नवसारी	121	2673	851	1418
24.	पंचमहल	58	53	207	218
25.	पाटन	22	2210	895	24
26.	पोरबंदर	16	10	408	76
27.	राजकोट	49	15	768	130
28.	साबरकांठा	156	162	98	740
29.	सूरत	474	1622	255	699
30.	सुरेंद्रनगर	13	286	136	59
31.	तापी	316	520	333	549
32.	वडोदरा	13	197	518	186
33.	वलसाड	52	1184	1232	761
	कुल	**3691**	**13927**	**14346**	**3939737**

*22.03.2025 से 31.03.2026 के दौरान पूरे किए गए कार्यों की संख्या को दर्शाने वाले आंकड़ें